एम0ए0: हिंदी

प्रथम सत्रार्ध

प्रथम प्रश्न-पत्र

आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

पूर्णांक 100

1. अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा0 डा. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)
2. चंदबरदाई: कयमास-वध, संपा0 राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी, प्रकाशन केन्द्र, सीतापुर रोड, लखनऊ।
3. विद्यापति: संपा0 शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल प्रार्थना एवं रूप वर्णन), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा0 जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 50 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 10 पद), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. मलिक मुहम्मद जायसी: जायसी ग्रंथावली, संपा0 रामचंद्र शुक्ल; (व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड)।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न (कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100अंक

द्वितीय प्रश्न-पत्र

सगुण काव्य एवं रीतिकालीन काव्य:

पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. सूरदास: भ्रमरगीत सार: संपा0 आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 100 तक), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. तुलसीदास: विनयपत्रिका: तुलसीदास (व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 100 तक), गीताप्रेस गोरखपुर।

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
गोपाल बाबू गोस्वामी
राजकीय महाविद्यालय चौखुटिया
अल्मोड़ा

3. केशवदास: संक्षिप्त रामचन्द्रिका: संपा0 डा. जगन्नाथ तिवारी। (व्याख्या हेतु प्रारंभिक पाँच प्रकाश-

   रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।
4. बिहारी: बिहारी नवनीत: संपा0 रवीन्द्र कुमार जैन (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 50 दोहे), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. घनानंद: घनानंद कवित्त: संपा0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 20 छंद)

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न(कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

तृतीय प्रश्नपत्र

भारतीय काव्यशास्त्र:

निर्धारित पाठ्यक्रम: पूर्णांक 100

1. काव्यशास्त्र: परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य भेद।
2. काव्य संप्रदाय: रस संप्रदाय: रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय, ध्वनि संप्रदाय, वक्रोक्ति संप्रदाय एवं औचित्य संप्रदाय।
3. हिंदी आलोचना: विकास, प्रमुख हिंदी आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत (आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डा. नगेन्द्र, डा. रामविलास शर्मा, डा. नामवर सिंह)।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. छः लघूत्तरी प्रश्न (कुल 10 प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को 6प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 6x05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x15=45 अंक

चतुर्थ प्रश्न-पत्र पूर्णांक 100

हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से रीतिकाल तक:
निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।
2. मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।
3. भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।
4. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1.छः लघूत्तरी प्रश्न (कुल 10 प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को 6प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

6x05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x15=45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिकमूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

द्वितीय सत्रार्ध

पंचम प्रश्न-पत्र पूर्णांक 100

आधुनिक हिंदी काव्य (छायावाद तक):

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. जगन्नाथदास 'रत्नाकर': उद्धव शतक (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 पद), नागरी प्रचारिणी सभा काशी।

2. मैथिलीशरण गुप्त: साकेत (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, चिरगाव झाँसी।

[illegible]

[illegible] हाउस, नई दिल्ली।

4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राग-विराग, संपा0 रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए 'राम की शक्तिपूजा), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।

5.सुमित्रानंदन पंत: रश्मिबंध (व्याख्या के लिए प्रारंभिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

6.महादेवी वर्मा: संधिनी (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न (कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

षष्ठ प्रश्न-पत्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: संक्षिप्त परिचय, प्लेटो के काव्य सिद्धांत, अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धात एवं त्रासदी विवेचन, लोंजाइन्स: उदात्त की अवधारणा एवं भेद।
2. मैथ्यू आर्नल्ड: कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे: अभिव्यंजनावाद, आई0 ए0 रिचर्ड्स: काव्यमूल्य, टी0 एस0 इलियट: कला की निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
3. वर्ड्सवर्थ: काव्यभाषा सिद्धांत, कालरिज: कल्पना सिद्धांत।
4. विविध वाद: स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. .छः लघूत्तरी प्रश्न (कुल 10 प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को 6प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच
आन्तरिक विकल्प होगा। 3x15=45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

सप्तम प्रश्न-पत्र
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल): पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: भारतेन्दु युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।
2. छायावाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
3. हिंदी गद्य साहित्य का विकास: नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।
4. हिंदी का स्मारक साहित्य: संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. .छः लघूत्तरी प्रश्न (कुल 10 प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को 6प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
6x05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच
आन्तरिक विकल्प होगा। 3x15=45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

अष्टम प्रश्न-पत्र
हिंदी कथा एवं नाटक साहित्य: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. [illegible]
2. हिमांशु जोशी: कगार की आग, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
3. सं0 बटरोही: हिंदी कहानी के नौ कदम, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
4. जयशंकर प्रसाद: स्कन्दगुप्त, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।
5. मोहन राकेश: लहरों के राजहंस, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।
6. संपा0 राकेश गुप्त एवं चतुर्वेदी: एकांकी मानस (संक्षिप्त संस्करण), ग्रंथायन, अलीगढ़।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न (कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

तृतीय सत्रार्ध

नवम प्रश्न-पत्र

आधुनिक हिंदी काव्य (छायावादोत्तर): पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. रामधारी सिंह दिनकर: उर्वशी (व्याख्या के लिए केवल तृतीय सर्ग)। प्रकाशक: उदयांचल प्रकाशन, राजेन्द्र नगर, पटना।
2. वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन': नागार्जुन' की प्रतिनिधि कविताएँ, (उनको प्रणाम, बतौल्त ब्रेख्त, बादल को घिरते देखा है, बहुतदिनों के बाद, मेरी भी आभा है इसमें, सोनियासमन्दर, प्रतिबद्ध हूँ, वो हमें चेतावनी देने आये थे, सिन्दूर तिलकित भाल, यह दन्तुरित मुस्कान, यह तुम थीं, गुलाबीचूड़ियाँ, खुरदरे पैर, घिन तो नहीं आती है गीले पाँख की दुनिया गई है छोड़, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, शासन की बन्दूक, पसीने का गुण-धर्म,) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. संपादक: डा. मधुबाला नयाल: समय राग। (व्याख्या हेतु सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', लीलाधर जगूड़ी और अरुण कमल की सभी रचनाएँ), ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न (कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

दशम प्रश्न-पत्र

भाषा विज्ञान: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. भाषा और भाषा विज्ञान: भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक-प्रकार्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता।

2. स्वन प्रक्रिया: स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप,स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।

3. रूपप्रक्रिया: रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद: मुक्त- आबद्ध, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना।

4. अर्थविज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. .छ: लघूत्तरी प्रश्न (कुल 10 प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को 6प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच
आन्तरिक विकल्प होगा। 3x15=45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

एकादश प्रश्न-पत्र

निबंध एवं स्मारक साहित्य:

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें: पूर्णांक 100

1. नीरजा टंडन: हिंदी निबंध मंजूषा (पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्ध- सच्ची कविता (बालकृष्ण भट्ट), सच्ची वीरता (सरदार पूर्णसिंह), काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (रामचन्द्र शुक्ल), देवदारू(हजारीप्रसाद द्विवेदी), अनुभूति,सत्य और यथार्थ(महादेवीवर्मा), प्रेमचन्द के फटे जूते (हरिशंकर परसाई) ,कविता का भविष्य (रामधारीसिंह दिनकर),चेतना का संस्कार (अज्ञेय), आदिकाव्य(रामविलासशर्मा), साहित्य का स्तर)डॉ.नगेन्द्र, आम्रमंजरी(विद्यानिवासमिश्र), अपनी ही मौत पर (धर्मवीर भारती), राघव: करुणोरस: (कुबेरनाथराय),निबन्ध की तला शमें (रमेशचन्द्रशाह) ।
2. महादेवी वर्मा: पथ के साथी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्ट: स्मारक साहित्य संग्रह, तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न (कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच
आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ: वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ: पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी। अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

2.हिंदी का भौगोलिक विस्तार: हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ, कुमाउनी और गढ़वाली की विशेषताएँ।

3.हिंदी का भाषिक स्वरूप: हिंदी शब्द रचना: उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूपरचना-लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप, हिंदी वाक्य-रचना, पदक्रम और अन्विति।

4.हिन्दी के विविधरूप -सम्पर्क भाषा,राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचारभाषा,हिन्दी की संवैधानिक स्थिति तथा वर्तमान वैश्विक सन्दर्भ में हिन्दी

5.हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ: आँकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. .छः लघूत्तरी प्रश्न (कुल 10 प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को 6प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

6x05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x15=45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

चतुर्थ सत्रार्ध

त्रयोदश प्रश्नपत्र

(क) कुमाउनी साहित्य पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:

1. सं0 डा. दिवा भट्ट: पछयाण, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।

राम, 6. गौं-घर, 7. शहरी गौंक दुरी, 8. उन दिन, 9. नई सुराज, 10. इजा) । प्रकाशक: गोपेश प्रकाशन, अल्मोड़ा। -

3. बहादुर बोरा 'श्रीबंधु': मन्याडर, कुमाउनी भाषा-साहित्य प्रचार-प्रसार समिति, अल्मोड़ा। 4. डा. शेरसिंह बिष्ट: मन्थि, अविचल प्रकाशन, बिजनौर (उ0प्र0)। -

5. सं0 दामोदर जोशी: आपण पन्यार, जगदम्बा कम्प्यूटर्स, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल)।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न(कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

अथवा

(ख) उत्तराखण्ड के हिंदी कवि पूर्णांक 100

1. गुमानी 2. चंद्रकुँवर बर्त्वाल 3. लीलाधर जगूड़ी
4. मंगलेश डबराल 5. वीरेन डंगवाल 6. हरीशचंद्र पाण्डेय

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक:
उत्तराखण्ड के हिंदी कवि - संपा0 प्रो0 दिवा भट्ट

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न (कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

अथवा

(ग) उत्तराखण्ड के हिंदी कथाकार: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:

(क) उपन्यासकार:

1. मनोहरश्याम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रमेशचंद्र शाह: गोबर गणेश (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(ख) कहानी-संग्रह:

3. पाँच कहानियाँ (1. दुष्कर्मी- इलाचन्द्र जोशी, 2. रज्जो- रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 3. हलवाहा- शेखर जोशी, 4. बीच की दरार- गंगाप्रसाद 'विमल', 5. अ-रचित- दिवा भट्ट)- संपा0 डा. जगतसिंह बिष्ट, प्रकाश प्रकाशन, चौघानपाटा, अल्मोड़ा।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न (कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

चतुर्दश प्रश्नपत्र

(क) लोक साहित्य: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. लोक और लोक-वार्ता, लोक-विज्ञान।
2. लोक संस्कृति और साहित्य
3. लोक साहित्य का स्वरूप
4. अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।
5. लोक साहित्य की अध्ययन-प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।
6. लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण: लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियाँ, लोक संगीत।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

6x05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x15=45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

अथवा

ख-कुमाउनी लोक साहित्य पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:

1. सं0 देवसिंह पोखरिया: न्यौली सतसई, (व्याख्या हेतु प्रारंभ के 300 छंद), कंसल बुक डिपो, नैनीताल। -
2. सं0 देवसिंह पोखरिया: कुमाउनी लोक साहित्य, (व्याख्या हेतु न्यौली को छोड़कर सभी लोकगीत) - मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद्, भोपाल।-
3. डा.प्रयाग जोशी: कुमाउनी लोक गाथाएँ (प्रथम भाग) (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 6 लोकगाथाएँ), किशोर एण्ड संस, देहरादून ।
4. डा. प्रभा पंत: कुमाउनी लोककथा (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 10 लोककथाएँ), अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
5. डा. कृष्णानंद जोशी: कुमाऊँ का लोक साहित्य, (व्याख्या हेतु केवल धार्मिक गीत), प्रकाश बुक डिपो, बरेली।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न(कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

अथवा

(ग) भारतीय साहित्य:

निर्धारित पाठ्यक्रम: पूर्णांक 100

प्रथम खंड:

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
4. भारतीयता का समाजशास्त्र
5. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

द्वितीय खंड:

1. दाक्षिणात्य भाषा वर्ग: मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़।
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग: उड़िया, बँगला, असमिया, मणिपुरी।
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग: मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, उर्दू।

तृतीय खंड:

पाठ्यपुस्तकें:

1. अग्निगर्भ (बंगला)- महाश्वेता देवी
2. कोच्चिन के दरख्त (मलयालम)- के0जी0 शंकरपिल्लै
3. घासीराम कोतवाल (मराठी)- विजय तेंदुलकर
4. जसमा ओड़न (गुजराती)- शांता गाँधी

(नोट: उक्त पुस्तकों से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1.क: लघूत्तरी प्रश्न (कुल 10 प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को 6प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

6x05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x15=45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

पंचदश प्रश्नपत्र क- विशिष्ट अध्ययन: प्रेमचंद पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:

1. रंगभूमि -
2. कुछ विचार -
3. मानसरोवर भाग -1

(टिप्पणी: प्रेमचंद का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तकों का संदर्भ केवल व्याख्या के लिए है।)

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न (कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

अथवा

ख - विशिष्ट अध्ययन : आचार्य रामचंद्र शुक्ल पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:

रामचंद्र शुक्ल ग्रंथवाली:

(व्याख्या हेतु ग्रंथावली का केवल निबंध भाग)

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न (कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

अथवा

ग- विशिष्ट अध्ययन : कबीरदास पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:

संपा0 श्यामसुंदर दास: कबीर ग्रंथावली। (व्याख्या हेतु साखी भाग और आंरभिक 100 पद)।

टिप्पणी: कबीरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न(कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

कुल योग 100अंक

अथवा

घ- विशिष्ट अध्ययन: सूरदास
निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:
संपा0 धीरेन्द्र वर्मा: सूरसागर सार। पूर्णांक 100
टिप्पणी: सूरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।
अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न(कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

अथवा

ङ- विशिष्ट अध्ययन:सुमित्रानंदन पंत
निर्धारित पाठ्य पुस्तकें: पूर्णांक100
चिदम्बरा - सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
अथवा
तारापथ- सुमित्रानंदन पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
टिप्पणी: सुमित्रानंदन पंत का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।
अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न(कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

अथवा

निर्धारित पाठ्य पुस्तक:

माखनलाल चतुर्वेदी: आधुनिक कवि: प्रारंभिक 10 कविताएँ

रामकुमार वर्मा: प्रारम्भिक 10 कविताएँ

मुकुटधर पाण्डेय: कश्मीर सुषमा

जयशंकर प्रसाद: लहर (अंतिम 3 कविताएँ)

सुमित्रानंदन पंत: पल्लविनी (प्रारंभिक 10 कविताएँ)

निराला: अपरा: (प्रारंभ की 10 कविताएँ)

महादेवी वर्मा: यामा: (आरंभिक 10 गीत)

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ - 3x10=30अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न (कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x10=30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

अथवा

छ - हिंदी पत्रकारिता: पूर्णांक100

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ।
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।
4. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
5. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।
7. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।
10. पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।
11. इलैक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता: रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।
12. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ-सज्जा।

13. पत्रकारिता का प्रबंधन- प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।
14. [illegible]
15. मुक्त प्रेस की अवधारणा।
16. लोक-संपर्क तथा विज्ञापन।
17. प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
18. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
19. प्रजातंत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. छः लघूत्तरी प्रश्न (कुल 10 प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को 6प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

6x05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा। 3x15=45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिकमूल्यांकन 25अंक

कुल योग 100अंक

अथवा

ज - अनुवाद: सिद्धांत एवं प्रयोग पूर्णांक100

1. अनुवाद: परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ।
2. अनुवाद का स्वरूप: अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प।
3. अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।
4. अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: विश्लेषण, अर्थान्तिरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति।
5. अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत।
6. अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार: कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।
7. अनुवाद की समस्याएँ: सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि-साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।
8. अनुवाद के उपकरण: कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि।
9. अनुवाद: पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।
10. मशीनी अनुवाद।
11. अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य।

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
सोबन सिंह जीना? / भोपाल बाबू गोस्वामी
राजकीय महाविद्यालय चौखुटिया
अल्मोड़ा